मुंब्रा में दर्दनाक रेल हादसा, 4 की मौत

फास्ट लोकल ट्रेन से गिरे यात्री, 13 घायल

- 2 लोकल ट्रेनें नजदीक से गुजरीं
- गेट पर लटक रहे यात्री बैग टकराने से गिर गए

ठाणे. ठाणे के मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर सोमवार सुबह चलती लोकल ट्रेन से 10 यात्री नीचे गिर गए। इनमें से 4 की मौत हो गई, जबकि 6 घायल हो गए। मरने वालों में जीआरपी कॉन्स्टेबल भी शामिल है। ये सभी ट्रेन के गेट पर खड़े थे। घटना सुबह 9:30 बजे दिवा और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों के बीच उस वक्त हुई जब ट्रेन कसारा की ओर जा रही थी।

ऑफिस टाइम होने के कारण ट्रेन में भीड़ ज्यादा थी, जिससे यह हादसा हुआ। रेलवे के मुताबिक ये संभवतः यात्री ट्रेनों के फुटबोर्ड से लटके हुए थे और उनके बैग एक-दूसरे से टकरा गए, क्योंकि ट्रेनें एक-दूसरे के उलटी दिशा में जा रही थीं।

घायलों को शिवाजी अस्पताल और ठाणे जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। रेलवे प्रशासन और पुलिस हादसे की जांच कर रही है। मामले के चलते लोकल ट्रेनों की सेवाएं भी प्रभावित हुईं।

नजदीकी ट्रैक से गुजर रही ट्रेन के यात्रियों के बैग उलझे

मुंब्रा रेलवे हादसे पर सेंट्रल रेलवे के CPRO स्वप्निल धनराज नीला ने बताया, 'यह हादसा मुंब्रा और दिवा स्टेशनों के बीच डाउन/फास्ट लाइन पर हुआ। कसारा से आ रही लोकल ट्रेन और CSMT की तरफ जा रही एक दूसरी ट्रेन के यात्रियों ने फुटबोर्ड पर यात्रा करते हुए एक-दूसरे को टक्कर मार दी, जिससे कुछ लोग गिर गए।'

मरने वालों की पहचान केतन सरोज, राहुल गुप्ता, मयूर शाह और ठाणे सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) के कांस्टेबल विक्की मुखियाद के रूप में हुई है। कसारा की ओर जा रही ट्रेन के गार्ड ने रेलवे अधिकारियों को घटना की जानकारी दी थी नीला ने उन खबरों का खंडन किया जिनमें यह कहा जा रहा था कि यात्री लखनऊ जाने वाली पुष्पक एक्सप्रेस से गिरे हैं, जो साउथ मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से सुबह करीब 8.30 बजे रवाना हुई थी।

मृत यात्रियों का विवरण

1. राहुल संतोष गुप्ता (28) निवासी दिवा,
2. सरोज केतन (23) निवासी उल्हासनगर
3. मयूर शाह (50)
4. मच्छिंद्र मधुकर गोटरने, उम्र-31 (पुलिस कांस्टेबल)

घायल व्यक्तियों का विवरण इस प्रकार है:

1. शिवा गवली (23) छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल से जुपिटर अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है क्योंकि उसकी हालत गंभीर है।
2. आदेश भोईर (26) आटगांव, कसारा में रहते हैं, उनकी हालत स्थिर है और उनका शिवाजी महाराज अस्पताल में इलाज चल रहा है।
3. रिहान शेख (26) भिवंडी में रहते हैं, कल्याण से ठाणे की यात्रा कर रहे थे. उनकी हालत स्थिर है और उनका शिवाजी महाराज अस्पताल में इलाज चल रहा है।
4. अनिल मोरे (40) उनकी हालत गंभीर है और उन्हें इलाज के लिए जुपिटर अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।
5. तुषार भगत (22) टिटवाला से ठाणे की यात्रा कर रहे थे. उनकी हालत स्थिर है और उनका शिवाजी महाराज अस्पताल में इलाज चल रहा है।
6. मनीष सरोज (26) निवासी दिवा साबेगांव, उनकी हालत स्थिर है और उनका शिवाजी महाराज अस्पताल में इलाज चल रहा है।
7. मछिंद्रा गोटरने (39) वाशिंद निवासी, स्थिर हालत में हैं और शिवाजी महाराज अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है.
8. स्नेहा ढोंडे (महिला/21) टिटवाला से ठाणे की यात्रा. स्थिर हालत में हैं और शिवाजी महाराज अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है.
9. प्रियंका भाटिया (महिला/26) निवासी : शहाड, कल्याण. स्थिर हालत में हैं और शिवाजी महाराज अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है

डिप्टी सीएम ने कहा- सख्त कार्रवाई की जाएगी

डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि ये मौतें लोकल ट्रेन में भीड़भाड़ और यात्रियों की सुरक्षा पर ध्यान देने की जरूरत को उजागर करती हैं। मुझे विश्वास है कि रेलवे प्रशासन जल्द ही लोकल ट्रेन सर्विस को और सुरक्षित बनाने के लिए ठोस कदम उठाएगा। इसके सअलावा डिप्टी CM महाराष्ट्र, एकनाथ शिंदे ने कहा कि भारतीय रेलवे की एक हाई लेवल कमेटी मामले की जांच करेगी। तभी सच्चाई सामने आएगी और अगर कोई दोषी पाया जाता है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 83 ■ मंगलवार, 10 जून 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

आखिरी साबित हुई केतन सरोज की लोकल यात्रा

- दिवा-मुंब्रा ट्रेन हादसे में दुखद मौत

उल्हासनगर. सप्ताह के पहले दिन केतन ने काम के लिए शहाड़ से ठाणे जाने के लिए छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-कसारा ट्रेन पकड़ी। यह उनकी आखिरी लोकल यात्रा साबित हुई. दिवा-मुंब्रा रेलवे लाइन पर हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में केतन दिलीप सरोज नामक युवक की मौत हो गई। इस घटना ने पूरे हनुमान नगर इलाके को स्तब्ध कर दिया है।

केतन सरोज (उम्र करीब 22) सुबह 8.29 बजे शहाड़ स्टेशन से निकले थे। वह ठाणे के अशहर आईटी पार्क में एक कंपनी में काम करते थे और हमेशा की तरह सीएसएमटी-कसारा लोकल पकड़ी थी। दिवा और मुंब्रा स्टेशनों के बीच साइड ट्रैक पर चल रही तेज रफ्तार लोकल में एक यात्री का बैग दरवाजे में लटके केतन और आठ अन्य यात्रियों से टकराया। इससे केतन का संतुलन बिगड़ गया और वह रेलवे ट्रैक पर गिर गए। केतन का दोस्त दीपक शिरसाट, जो उसी इलाके में रहता है, भी उसी कोच में यात्रा कर रहा था।

दीपक शिरसाट ने बताया कि केतन के गिरने के बाद उसने दो-तीन बार चेन खींचकर लोकल ट्रेन को रुकवाया। हालांकि, ट्रेन सीधे ठाणे जाकर रुक गई। धीमी गति से चल रही लोकल ट्रेन में यात्रा करते हुए दीपक मुंब्रा पहुंचा। रेलवे ट्रैक पर गिरे केतन को तुरंत एंबुलेंस से छत्रपति शिवाजी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, उसे मृत घोषित कर दिया गया।

केतन ने प्रीति एकेडमी कॉलेज से बीकॉम की डिग्री हासिल की थी। उसके पिता दिलीप सरोज वायरमैन का काम करते हैं। घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी और केतन परिवार की आजीविका में हाथ बंटा रहा था। उसकी मां घर की देखभाल करती थी। दिलीप सरोज के कुल तीन बच्चे हैं और केतन सबसे बड़ा था। अचानक हुई इस घटना से पूरे हनुमान नगर इलाके में मातम पसर गया है। केतन का बचपन इसी इलाके में बीता है।

मृत यात्रियों के परिजन को 5 लाख की मदद

- गिरीश महाजन ने किया कलवा अस्पताल में घायलों का हालचाल जाना

ठाणे. मुंब्रा में रेलवे स्टेशन के पास छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस जा रही लोकल ट्रेन से गिरकर मरने वाले पांच यात्रियों के परिवारों को पांच लाख की सहायता राशि देने की घोषणा मुख्यमंत्री ने की है। इस बीच, घायलों को 50 हजार से लेकर दो लाख रुपये तक की सहायता राशि दी जाएगी। साथ ही, उनके इलाज का खर्च भी सरकार उठाएगी. यह जानकारी सोमवार को ठाणे में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री गिरीश महाजन ने दी।

राज्य मंत्री गिरीश महाजन भी कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल गए और घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों से घायलों के इलाज के बारे में भी जानकारी ली। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने मृतकों और घायलों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। हम अब तक कई मरीजों से मिल चुके हैं, लेकिन ऐसा हादसा कभी नहीं हुआ। यह हादसा क्यों हुआ और किस वजह से हुआ, इसका पता लगाने के लिए रेलवे प्रशासन के माध्यम से जांच चल रही है। मुख्यमंत्री ने तत्काल सहायता देने की घोषणा की है। मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपये की सहायता मिलेगी, जबकि घायलों को 50 हजार से 2 लाख रुपये तक की सहायता मिलेगी और उनके इलाज का खर्च सरकार उठाएगी। मंत्री महाजन ने बताया कि जुपिटर अस्पताल में दो मरीज हैं और उनका खर्च भी सरकार उठाएगी।

रेलवे का बड़ा ऐलान, ट्रेन में लगेंगे ऑटोमैटिक डोर

मुंबई की लोकल ट्रेन में 9 जून सुबह 9 बजे दर्दनाक हादसा हुआ। यह हादसा मुंबई के दिवा मुंब्रा स्टेशन के बीच हुआ है। भीड़भाड़ की वजह से लोकल ट्रेन के दरवाजे से 10 यात्री गिर गए। जिसमें 4 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। हादसे के समय कसारा से सीएसएमटी की ओर जाने वाली ट्रेन खचाखच भरी हुई थी। यात्री दरवाजे पर लटककर सफर कर रहे थे। इस हादसे के बाद इंडियन रेलवे ने लोकल ट्रेन में ऑटोमैटिक दरवाजे लगाने का फैसला लिया है। इससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी।

मुंबई की लोकल ट्रेनों के लिए अब ऐसे डिब्बे बनेंगे। जिनके दरवाजे अपने आप बंद हो जाएंगे। रेलवे बोर्ड के मुताबिक मुंबई सबअर्बन के लिए मैन्युफैक्चर होने वाली रैक में अब ऑटोमैटिक डोर होंगे। वहीं जो पुरानी ट्रेनें (रैक) अभी ट्रैक पर चल रहे हैं, उन्हें रीडिजाइन किया जाएगा। उनमें ऑटोमैटिक डोर क्लोजर फैसिलिटी लगाई जाएगी। यानी पुरानी ट्रेनों में भी ऑटोमेटिक डोर लगाए जाएंगे।

फिश प्रसादम का 7500 लोगों ने उठाया लाभ

सात वर्ष में 34 हजार 700 मरीजों ने कैम्प का लाभ उठाया है

अंबरनाथ. अंबरनाथ में आयोजित निःशुल्क अस्थमा ट्रीटमेंट कैम्प में अंबरनाथ के साथ राज्य, देश से आए हुए 7500 मरीजों ने लाभ उठाया है. कैम्प के आयोजक अभिजीत करंजुले पाटिल ने ये जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि पूर्व नगराध्यक्ष गुलाबराव करंजुले पाटिल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 172 वर्ष पुराने आयुर्वेद यूनानी अनुभव हैदराबाद आयुर्वेद संस्था और गुलाबराव करंजुले पाटिल प्रतिष्ठान एवं भाजपा शहर पूर्व मंडल अध्यक्ष विश्वजीत करंजुले और अभिजीत करंजुले की संकल्पना से शहर पूर्व में शिवाजी चौक के पास रविवार को मुफ्त अस्थमा कैम्प का आयोजन किया गया था, जिसमें देश भर से आए हुए हजारों लोगों को जीवित छोटी मछली में आयुर्वेदिक दवा डालकर खिलाया गया. गत सात वर्षों से यहां पर इस कैम्प का आयोजन किया जाता है. इन सात वर्षों से यहां पर इस कैम्प का आयोजन किया जाता है. इन सात वर्षों में 34 हजार 700 मरीजों ने लाभ उठाया है. ऐसा पत्रकारों को बताया गया. दमा के मरीजों के लिए ये दवा बहुत ही गुणकारी सिद्ध हो रही है. बहुत से लोगों को इससे फायदा हुआ है. ऐसा कैम्प उद्घाटन के समय गुलाब करंजुले ने कहा है. उस समय शहर के कई मान्यवर उपस्थित थे. अंबरनाथ व्यापारी संघ के अध्यक्ष खानजी धल, दिलीप कणसे, लालमन यादव, ईश्वर गुंजाल, रमण वैती, शिवसेना के पुरुषोत्तम उगले आदि उपस्थित थे. हैदराबाद के आयुर्वेदिक औषधि देने वाली टीम भी उपस्थित थी.

मुस्लिम समुदाय के अधिकारों के लिए क्रमिक भूख हड़ताल

- कई वर्षों का संघर्ष अब निर्णायक चरण में

उल्हासनगर. भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को लागू किया जाना चाहिए, क्योंकि यह लड़ाई सिर्फ एक भूखंड के लिए नहीं बल्कि हमारी पहचान के लिए है. इसी दृढ़ रुख के साथ, मुस्लिम जमात सेवा फाउंडेशन ने उल्हासनगर महानगरपालिका मुख्यालय के सामने क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की है। कब्रिस्तान की मांग को लेकर पिछले कई वर्षों से चल रहा संघर्ष अब निर्णायक चरण में पहुंच गया है।

उल्हासनगर में प्लॉट नंबर 244, कैलाश कॉलोनी (उल्हासनगर कैंप 5) वर्ष 1974 में मुस्लिम कब्रिस्तान के लिए आरक्षित किया गया था, और इसे 2019 में औपचारिक मंजूरी मिली, लेकिन आज तक इस स्थान पर वास्तविक दफन के लिए कोई अनुमति नहीं मिलने से समाज में भारी नाराजगी है। यह स्पष्ट हो रहा है कि मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं और संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है।

इस पृष्ठभूमि में मुस्लिम जमात सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष जलील खान, कार्यकारी अध्यक्ष शकील खान और सामाजिक कार्यकर्ता अनिल कुमार सिन्हा के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की गई है। इस भूख हड़ताल में निम्नलिखित महत्वपूर्ण मांगें उठाई गई हैं: प्लॉट नंबर 244 पर दफनाने की तत्काल अनुमति दी जाए, प्रशासन मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करे, प्लॉट के संबंध में सभी कानूनी या राजनीतिक बाधाएं दूर की जाएं और धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को लागू किया जाए।

इस भूख हड़ताल ने उल्हासनगर के सभी धर्मनिरपेक्ष नागरिकों, सामाजिक संगठनों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का ध्यान खींचा है। फाउंडेशन ने सभी से धर्म, जाति और पार्टी के मतभेदों को भूलकर इस अधिकार के लिए आवाज उठाने की अपील की है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अब उल्हासनगर प्रशासन इस धार्मिक और सामाजिक मांग पर क्या रुख अपनाता है।

भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधारिया के प्रयास से ड्रेनेज गाड़ियां फिर शुरू

उल्हासनगर। उल्हासनगर शहर में पिछले कई दिनों से ड्रेनेज सफाई की गाड़ियां बंद पड़ी हुई थी। जिसकी शिकायत भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया को शहरवासियों द्वारा की जा रही थी। ऐसे में विषय की गंभीरता को देखते हुए श्री वधरिया ने प्रशासन को जगाया और बंद पड़ी ड्रेनेज सफाई की गाड़ियों की दोबारा शुरु करवाया।

श्री वधरिया ने बताया कि मनपा द्वारा पेट्रोल-डीजल पंप संचालकों को पिछले चार महीनों से भुगतान नहीं किया गया था। इसके चलते पंप संचालकों ने ड्रेनेज सफाई की गाड़ियों को डीजल देने से साफ़ इनकार कर दिया था। इसकी जानकारी कई नेताओं को थी लेकिन कोई इसकी शिकायत आयुक्त से नहीं कर रहा था। व्हाट्सअप के माध्यम से मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले से शिकायत करने के बाद पंप संचालकों का बकाया तत्काल भुगतान करने के बाद बंद पड़ी ड्रेनेज गाड़ियों को दोबारा शुरू किया गया।

राज्य सरकार से मिले 210 करोड़ कहां गए?

अंबरनाथ मनसे का नगर परिषद पर विविध समस्याओं को लेकर मोर्चा

अंबरनाथ. अंबरनाथ की विविध समस्या को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने नगर परिषद कार्यालय पर मोर्चा निकालकर मुख्याधिकारी को निवेदन पत्र दिया. बाद में पत्रकारों द्वारा मनसे के पूर्व नगरसेवक स्वप्निल बागुल से ये प्रश्न किया कि शहर की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है. राज्य सरकार द्वारा नगर परिषद को प्राप्त हुए 210 करोड़ रुपए कहां गए, तो उसके उत्तर में बागुल ने कहा कि पांच वर्ष से नपा के मुख्याधिकारी, प्रशासक का राज चल रहा है. इसकी जांच होनी चाहिए कि शहर विकास के लिए प्राप्त हुई 210 करोड़ की निधि किसकी जेब में गई है. पूर्व नगरसेविका अपर्णा भोईर ने बताया कि शहर पूर्व में सड़क निर्माण के लिए गड्ढे खोदकर रखे गए हैं. यहां के नागरिकों ने शिकायत करने के बाद मोर्चा निकालकर मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ से इस बारे में जवाब तलब किया. उन्होंने लिखित में आश्वासन दिया है कि जल्द ही समस्याओं का हल निकाला जाएगा. कुणाल भोईर ने मुख्याधिकारी से कहा है कि अगर दो दिनों में समस्या का हल निकाला नहीं गया तो वह अपने कार्यकर्ताओं के साथ नगर परिषद कार्यालय में ही धरने पर बैठ जाएंगे. मुख्याधिकारी ने भी अधिकारियों से कहा है कि नागरिकों की समस्याओं का निदान करने में समय ना लगाएं. मनसे के मोर्चे में विविध समस्याओं का प्ले बोर्ड लेकर नागरिक उपस्थित थे. मोर्चे में संदीप लकडे आदि उपस्थित थे.

अंबरनाथ के जंगलों में 50 हजार सीड बॉल का रोपण

- अनिरुद्ध एकेडमी ऑफ डिझास्टर मॅनेजमेंट और वन विभाग की पहल

अंबरनाथ. विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अंबरनाथ के कोहोज गांव के निकट 50 हेक्टेयर वन क्षेत्र में 50 हजार सीड बॉल का रोपण किया गया है।

सीड बॉल रोपण कार्यक्रम का आयोजन अनिरुद्ध एकेडमी ऑफ डिझास्टर मॅनेजमेंट और वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। ठाणे और रायगढ़ जिले के विभिन्न हिस्सों से अनिरुद्ध बापू के अनुयायियों ने विभिन्न स्थानीय प्रजातियों के बीजों से 50 हजार से अधिक सीड बॉल तैयार किए थे।

वन विभाग की मदद से अंबरनाथ तालुका के कोहोज गांव में आवासीय परियोजना मोहन नैनो एस्टेट के पीछे एक विशाल आरक्षित वन क्षेत्र को सीड बॉल रोपण के लिए चुना गया था। तदनुसार, अनिरुद्ध बापू के दो सौ से अधिक अनुयायियों ने इस पहल में भाग लिया और वन रेंज अधिकारी बदलापुर संजय धारवाने और वन रेंज अधिकारी अंबरनाथ वैभव वालिम्बे के मार्गदर्शन में 50 हेक्टेयर क्षेत्र में 50,000 बीज बॉल लगाए।

सांपों और अन्य वन्यजीवों से सुरक्षा के लिए डब्ल्यूबीएआरआर संगठन के स्वयंसेवकों को तैनात किया गया था, साथ ही आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए डॉक्टरों और नर्सों की एक टीम भी थी। वन रेंज अधिकारी संजय धारवाने ने कहा कि विकास के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण करना सभी का कर्तव्य है और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी से व्यवहार करना आवश्यक है। वन रेंज अधिकारी, वैभव वालिम्बे ने बताया कि चूंकि वर्तमान वातावरण बीज अंकुरण के लिए अनुकूल है, इसलिए सीड बॉल में बीजों का अंकुरण सफल होगा और अंकुरों का प्रतिशत निश्चित रूप से अच्छा होगा। पूर्व नगरसेवक निखिल वालेकर ने कहा कि वन विभाग और स्थानीय जागरूक नागरिकों के प्रयासों से कोहोज खूंटावली क्षेत्र में पहाड़ियों पर वृक्षों का आवरण बढ़ा है और जंगली जानवरों और पक्षियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है।

ठाणे में मिला जानवर का कटा सिर, बवाल के बाद पुलिस कर रहीं जांच

ठाणे. ठाणे क्षेत्र में रविवार रात को स्थिति और बिगड़ गई, जब लोगों को कूड़ेदान में एक जानवर का सिर मिला. एक न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने सोमवार को बताया कि स्थानीय लोगों के अनुसार, सिर भैंस का हो सकता है, जो कूड़ेदान में मिला था. ठाणे पुलिस ने बाद में रविवार रात को वागले एस्टेट क्षेत्र के हजूरी इलाके में पहुंचकर तनाव को कम किया, उन्होंने कहा कि शव के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं. वागले एस्टेट पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक शिवाजी गवारे ने स्थिति को संबोधित करते हुए कहा कि ₹रविवार रात को इलाके में एक कूड़ेदान में कुछ लोगों ने कटे हुए जानवर का सिर देखा और शोर मचाया.₹

स्वामी नारायण मंदिर में सहयोग दें

उल्हासनगर-1 स्थित साधुबेला स्कूल के पीछे टेकड़ी पर करीब 100 वर्ष पुराने स्वामी नारायण मंदिर जिसे इच्छापूर्ण भी कहा जाता है यहां एकादशी का भव्य मेला भी लगता है। इस मंदिर के छत से इन दिनों बारिश का पानी बहने के कारण मंदिर का काफी नुकसान हो रहा है। ऐसे में दानकर्ताओं और श्रद्धालुओं से अपील है कि इस मंदिर में छत निर्माण होते अपना सहयोग दें। पुरोहित महाराज संपर्क करें: 9322003373

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

बिना अपराध के 3 वर्ष जेल में काटे

पिछले कुछ वर्षों से उत्तर प्रदेश में अपराध रोकने के लिए हर स्तर पर चौकसी बरतने और अपराधियों पर नकेल कसने का दावा किया जा रहा है। इस क्रम में कई बार इतनी तेजी देखी गई कि मामले की ठीक से पड़ताल करने में पर्याप्त गंभीरता नहीं बरती गई। गौरतलब है कि बरेली में एक व्यक्ति को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और उसे तीन वर्ष तक जेल में बंद रहना पड़ा। मगर विचित्र है कि जेल में बंद रहे शख्स पर जिस व्यक्ति की हत्या का आरोप था, वह जिंदा है।

ट्रेन में विवाद के बाद हत्या के आरोप के बाद एक शव पाया गया था और मृतक के परिजनों की पहचान के आधार पर ही आरोपी की गिरफ्तारी हुई थी। इस मामले का भी खुलासा नहीं होता, अगर जिंदा पाए गए व्यक्ति के परिजनों ने उसका वीडियो सोशल मीडिया पर जारी न किया होता। इसके बाद ही कथित हत्या के आरोप में बंद व्यक्ति की रिहाई हो सकी।

किसी आपराधिक मामले की जांच को लेकर हर स्तर पर पुष्टि और सावधानी के साथ मामले का विश्लेषण न किया जाए तो उसके नतीजों का अंदाजा लगाया जा सकता है। सवाल है कि घटना की छानबीन या पड़ताल के क्रम में क्या कोई ऐसा तरीका अपनाया गया या गवाहों के दावे की जांच में कोई कोताही बरती गई, जिसकी वजह से नाहक ही किसी को तीन वर्ष जेल में काटना पड़ा। ऐसा लगता है कि हत्या जैसे जघन्य अपराध के मामले में जांच के क्रम में जिस अतिरिक्त सावधानी की जरूरत होती है, उसमें कहीं न कहीं लापरवाही बरती गई।

इस घटना में एक प्रश्न अब भी अनुत्तरित है कि जो शव ट्रेन की पटरियों के पास पाया गया था, वह किसका था और उसकी मौत कैसे हुई थी। दरअसल, उत्तर प्रदेश में अपराध पर काबू पाने के दावे में कई बार जैसी हड़बड़ी देखी जा रही है, उसमें इस तरह की लापरवाही सामान्य लगती है। यह छिपा नहीं है कि एक ओर सरकार अपराध और अपराधियों को खत्म करने का दावा कर रही है, दूसरी ओर आपराधिक घटनाएं बेलगाम बढ़ती दिख रही हैं।

विश्वास के संकट से घिरी न्यायपालिका

भारतीय न्यायपालिका विश्वास के संकट से गुजर रही है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा है कि 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की घटनाओं से जनता के विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और इससे पूरी न्याय प्रणाली में विश्वास कम हो सकता है।' यह गंभीर बात उन्होंने तब कही है, जब भ्रष्टाचार के मामले में जस्टिस यशवंत वर्मा के विरुद्ध महाभियोग पर सत्ता पक्ष विपक्षी दलों से विचार विमर्श कर रहा है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने बीते दिनों कहा था कि 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को राजनीतिक दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। सरकार न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के महाभियोग प्रस्ताव पर सभी दलों का सहयोग चाहती है।' उन्होंने याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति ने भी वर्मा को दोषी ठहराया है। देश में न्यायिक सुधारों की मांग काफी पुरानी है। केंद्र सरकार ने हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए एक राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग बनाया था। न्यायिक सुधारों की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम था, पर जजों की नियुक्ति की उस प्रणाली को न्यायपालिका द्वारा निरस्त कर दिया गया था।

कहा गया कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता संविधान का आधारिक लक्षण है। मुख्य न्यायाधीश गवई ने भी कहा है कि 'वर्तमान कोलेजियम प्रणाली आलोचना से रहित नहीं है, पर इसका समाधान न्यायिक स्वतंत्रता की कीमत पर नहीं हो सकता।' न्यायिक स्वतंत्रता की बात ठीक है, संवैधानिक है, पर

न्यायपालिका सहित सभी संवैधानिक संस्थाओं द्वारा मर्यादा पालन जरूरी है।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और कदाचरण के प्रश्न लगातार उठते रहे हैं। न्यायमूर्तियों के विरुद्ध महाभियोग की कार्रवाई जटिल है। संविधान के अनुच्छेद 124 उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति एवं अनुच्छेद 217 के अनुसार उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पर कार्रवाई के लिए लोकसभा और राज्यसभा के सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। दोनों सदन के सदस्यों का सामान्य बहुमत और वोट डालने वाले उपस्थित सदस्यों का दो तिहाई बहुमत अनिवार्य है। इसके पूर्व लोकसभाध्यक्ष/सभापति एक जांच समिति गठित करते हैं। इस जांच के बाद कार्रवाई आगे बढ़ती है।

न्यायमूर्ति वी. रामास्वामी के विरुद्ध 1993 में लोकसभा में पहला महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन अपेक्षित बहुमत के अभाव में गिर गया। 2011 में कोलकाता हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सौमित्र सेन ने राज्यसभा द्वारा पारित महाभियोग प्रस्ताव पर त्यागपत्र दे दिया था। 2015 में राज्यसभा के 58 सदस्यों ने गुजरात हाई कोर्ट के न्यायाधीश जे. पारदीवाला के विरुद्ध आरक्षण संबंधी आपत्तिजनक बयान पर महाभियोग का नोटिस दिया था। उसी साल लगभग 50 राज्यसभा सदस्यों ने न्यायमूर्ति एसके गंगेले के विरुद्ध नोटिस दिया था। उन पर जिला जज के यौन उत्पीड़न का आरोप था। जजेज इंक्वायरी एक्ट (1968) के अधीन जांच कमेटी बनाई गई थी। प्रस्ताव पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में निरस्त हो गया। 2017 में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के न्यायमूर्ति सीवी नागार्जुन रेड्डी के विरुद्ध भी राज्यसभा सदस्यों ने महाभियोग प्रस्ताव रखा था। 2018 में विपक्षी दलों ने प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा के विरुद्ध भी महाभियोग के प्रस्ताव का प्रयास किया था। सिक्किम हाई कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश पीडी दिनाकरन के विरुद्ध आए प्रस्ताव पर राज्यसभा के सभापति ने आरोप जांचने के लिए समिति गठित की थी। दिनाकरन ने इसी दौरान त्यागपत्र दे दिया।

भारतीय संविधान के प्रवर्तन के 75 वर्ष के भीतर महाभियोग के सिर्फ पांच प्रस्ताव सिद्ध करते हैं कि महाभियोग प्रक्रिया बहुत जटिल है। संविधान निर्माताओं ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता अक्षुण्ण रखने के लिए विशेष सुरक्षा कवच उपलब्ध कराए हैं। कायदे से न्यायपालिका को स्वयं अपने तंत्र के भीतर भ्रष्टाचार और लोक शिकायतों की जांच का कोई ढांचा विकसित करना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। संविधान निर्माता स्वतंत्र न्यायपालिका एवं सबको न्याय की गारंटी चाहते थे।

केवल वही प्रेम अनंत है
जो हमारे भीतर मौजूद है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

तीसरे कार्यकाल का पहला साल

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला वर्ष जैसे राजनीतिक वातावरण में पूरा होने जा रहा है, वह इसलिए अधिक उल्लेखनीय है, क्योंकि जब इस सरकार ने अपनी तीसरी पारी शुरू की थी तब राजनीतिक माहौल बिल्कुल विपरीत था। ऐसा इसलिए था, क्योंकि भाजपा अपने बलबूते बहुमत हासिल नहीं कर सकी थी और उसे सरकार गठन के लिए सहयोगी दलों पर निर्भर होना पड़ा था।

इसके चलते यह माना गया कि मोदी सरकार अपने पहले और दूसरे कार्यकाल की तरह बड़े और साहसिक फैसले नहीं ले पाएगी और उसे कई विषयों पर गठबंधन के घटक दलों और विशेष रूप से जदयू और तेलुगु देसम के दबाव-प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है।

एक साल के कार्यकाल ने इस धारणा को ध्वस्त करते हुए यही स्पष्ट किया कि भाजपा भले ही 240 सीटों तक सीमित रही हो, लेकिन मोदी सरकार अपने एजेंडे को लागू करने के लिए पहले की ही तरह प्रतिबद्ध है। इसका एक बड़ा उदाहरण वक्फ संशोधन विधेयक को कानून का रूप देना है।

भाजपा सहयोगी दलों को विश्वास में लेकर वक्फ कानून में संशोधन के अपने एजेंडे को लेकर आगे बढ़ी और उसे पूरा भी कर दिखाया। इसी तरह वह

लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के अपने एजेंडे पर आगे बढ़ रही है। अब यह भी स्पष्ट हो गया है कि देश को अगले वर्ष मार्च तक माओवाद से मुक्त करा लिया जाएगा।

मोदी सरकार किस तरह साहसिक फैसले लेने में समर्थ है, इसका सबसे बड़ा उदाहरण है आपरेशन सिंदूर। पहलगाम में पाकिस्तान पोषित आतंकियों की ओर से 26 लोगों की जघन्य हत्या के बाद भारतीय सेना ने जिस तरह पहले पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को तबाह किया और फिर उसके कई प्रमुख एयरबेस ध्वस्त कर दिए, वह सचमुच अकल्पनीय सैन्य कार्रवाई है। मोदी के नेतृत्व वाला भारत ऐसी कठोर कार्रवाई करेगा, इसकी कल्पना न तो पाकिस्तान ने की होगी और न ही विश्व समुदाय ने।

मोदी सरकार ने देश और दुनिया को दिखाया कि भारत को आतंकवाद से लड़ना आता है। इसका एक और प्रमाण पाकिस्तान से किए गए सिंधु जल समझौते को स्थगित करना भी है। तीसरे कार्यकाल का पहला साल पूरा होते-होते जिस तरह यह खबर आई कि भारत पिछले 11 वर्षों में 27 करोड़ लोगों को अति निर्धनता से उबारने में सफल रहा, वह इस सरकार की विकास और जनकल्याणकारी नीतियों की सफलता का ही परिचायक है।

इसके अतिरिक्त यह भी स्पष्ट है कि भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने ही वाला है। इस सबका यह मतलब नहीं कि मोदी सरकार के समक्ष कहीं कोई चुनौती नहीं है और देश सभी समस्याओं से मुक्त हो चुका है, लेकिन इतना तो है ही कि विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस को इस सरकार की रीति-नीति की आलोचना करते समय अपने घनघोर नकारात्मक रवैये का परित्याग करना होगा।

न गिरते हैं, न हार मानते हैं.. अनोखा शतरंज

जरा हट के

हम आपको बताएंगे एक ऐसे कारीगर के बारे में, जिन्होंने बेहद खास शतरंज बनाए हैं. यहां कुछ ऐसे शतरंज मौजूद हैं, जिसमें सिपाही गिरते नहीं, लड़खड़ाते हुए फिर खड़े हो जाते है. साथ ही मिनीएचर शतरंज से लेकर ऊंट की हड्डी से बना शतरंज भी शामिल है. दरअसल, भोपाल के एमपी नगर क्षेत्र में स्थित भोपाल हाट बाजार में लगे क्राफ्ट्स रूट्स एग्जीबिशन में 70 अलग-अलग कारीगर शामिल हुए.

यहां राजस्थान के चूरू जिले से आए कारीगर बताते हैं कि उनके द्वारा बनाए गए ये शतरंज भारत के अलग-अलग हिस्सों के साथ ही यूरोप के कई देशों में भी अपने शतरंज पहुंचा चुके हैं.

इसमें एक शतरंज ऐसा है, जिसके मोहरे कुछ इस प्रकार बनाए गए हैं कि उन्हें कितना भी गिरा लो वह फिर खड़े हो जाते हैं. गणपत ने बताया कि हमारे पास अलग-अलग तरह के शतरंज शामिल है. इसमें कैमल

बोन से बने शतरंज के मोहरों की नक्काशी दांत निकालने जैसे औजारों से तैयार होते हैं. इसके अलावा गणपत ने ऐसा खास शतरंज तैयार किया है, जिसकी गोटियां कभी गिरती नहीं है. इसका शेप और वजन कुछ इस प्रकार का बनाया गया है कि मोहरे लड़खड़ा भले जाएं, लेकिन फिर खड़े हो जाएंगे.

इन अनोखे शतरंज को बनाने में उन्होंने शीशम और बांस की लकड़ी का इस्तेमाल किया है. मैं बताते हैं कि साइंस फिक्शन के जरिए हमें इस तरह का शतरंज बनाने का ख्याल आया. इसका दाम 8,500 रुपए तक पहुंच जाता है. इसके अलावा गणपत के कलेक्शन में वर्ल्ड चैम्पियनशिप में खेली जाने वाली स्टंट चेस भी है. गणपत के पास मिनिएचर चेस भी है, जिसके राजा का साइज ही कुल पौन इंच का है. वह बताते हैं कि कोई भी व्यक्ति अपनी हाथ की हथेली पर इस पूरी चेस को सजा सकता है. इस पॉकेट फ्रेंडली चेस को आप जेब में रखकर सफर पर भी ले जा सकते हैं और आसानी से बहुत थोड़ी स्पेस में खेल सकते हैं.

रागी की स्वादिष्ट रोटी

खाना-खजाना

फिटनेस और वेट लॉस पर आजकल ज्यादातर लोग ध्यान दे रहे हैं। ऐसे में, सबसे बड़ा चैलेंज होता है डाइट को मैनेज करना, जिसमें हर कोई कन्फ्यूजन का शिकार हो जाता है। अगर आप भी वेट लॉस जर्नी पर हैं, तो यहां हम आपको रागी की रोटी बनाना सिखाने जा रहे हैं, क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो आपको लंबे समय तक फुल रखकर ओवरईटिंग से बचाता है। इसके अलावा, रागी में कैल्शियम, आयरन और अमीनो एसिड भी भरपूर होते हैं, जो आपके शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं।

सामग्री :

- **रागी का आटा :** 1 कप
- **पानी :** 1 से 1.5 कप (जरूरत के अनुसार)
- **नमक :** स्वादानुसार
- **तेल या घी :** रोटी सेंकने के लिए

विधि :

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में रागी का आटा और नमक लें। अब धीरे-धीरे पानी डालते हुए नरम आटा गूंथ लें। ध्यान रहे कि आटा न ज्यादा सख्त हो और न ही ज्यादा ढीला।

इसके बाद इसे 10-15 मिनट के

लिए ढककर रख दें और फिर आटे की छोटी-छोटी लोइयां बना लें।

अब चाहें तो हल्के सूखे आटे का इस्तेमाल करके या फिर प्लास्टिक शीट या बटर पेपर पर तेल लगाकर पतली रोटी बेल लें। रागी की रोटी गेहूं की रोटी जितनी आसानी से नहीं बेली जाती, इसलिए सब्र रखें।

फिर एक तवा गरम करें। जब तवा गरम हो जाए तो बेली हुई रोटी को उस पर डालें। मध्यम आंच पर एक तरफ से हल्का सुनहरा होने तक सेंकें। अब रोटी को पलट दें और दूसरी तरफ से भी सुनहरा होने तक सेंकें। आप चाहें तो थोड़ा तेल या घी लगाकर दोनों तरफ से क्रिस्पी होने तक सेंक सकते हैं।

गरमागरम रागी की रोटी को अपनी मनपसंद सब्जी, दाल या चटनी के साथ परोसें।

सेल्फ डिसिप्लिन या आत्मानुशासन है सफलता की कुंजी

12 से ज्यादा बाइक और दो कारों में लगाई आग

सेल्फ डिसिप्लिन या आत्मानुशासन एक ऐसी शक्ति है, जो हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने, अपने कार्यों को सही दिशा में लाने और अपनी आदतों को नियंत्रित करने में मदद करती है। यह न केवल सफलता के रास्ते को मजबूत बनाता है, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी प्रदान करता है। आत्मानुशासन के बिना जीवन में किसी भी लक्ष्य पाना कठिन है, क्योंकि यह हमारी इच्छाशक्ति और कार्यों पर नियंत्रण रखने की क्षमता को बढ़ाता है। यहां कुछ उपायों की जानकारी दी गई है, जिनसे हम जीवन में आत्मानुशासन बनाए रख सकते हैं। तो आईए जानते हैं इनके बारे में-

■ एक लक्ष्य तय करें

आत्मानुशासन बनाए रखने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आपके पास स्पष्ट और उद्देश्यपूर्ण लक्ष्य हो। जब आपका लक्ष्य स्पष्ट होगा, तो आप अपने कार्यों को उसी दिशा में केन्द्रित कर पाएंगे।

■ समय का प्रबंधन

टाइम मैनेजमेंट आत्मानुशासन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए अपने समय को प्रभावी तरीके से प्रबंधित करना, काम को प्राथमिकता देना और समय सीमा का पालन करना जरूरी है।

■ छोटे स्टेप लें

बड़े लक्ष्यों को छोटे हिस्सों में बांटकर काम करें। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और आप उन कार्यों को समय पर पूरा कर पाते हैं।

■ इंस्पिरेशन लेते रहें

खुद को प्रेरित रखने के लिए अच्छे स्रोतों से प्रेरणा प्राप्त करें, जैसे किताबें, प्रेरणादायक वीडियो, या सकारात्मक विचार।

■ आलस्य से बचें

आलस्य और टालमटोल से दूर रहें। जब आपको किसी काम को करने का मन न हो, तो भी उस पर काम करें। ऐसा करने से आपकी इच्छाशक्ति मजबूत होती है।

■ नियमित दिनचर्या बनाएं

एक स्थिर डेली रूटीन बनाएं, जिसमें समय पर उठना, काम करना और आराम करना शामिल हो। यह आत्मानुशासन बनाए रखने में मदद करता है।

■ सेल्फ-केयर को प्राथमिकता दें

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को महत्व दें। जब आप शारीरिक और मानसिक रूप से

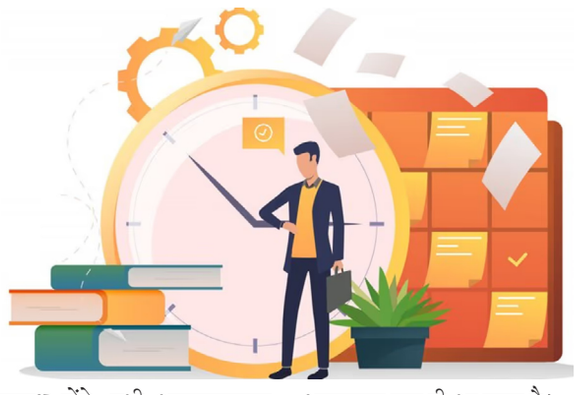

स्वस्थ होंगे, तभी आत्मानुशासन बनाए रखना आसान होगा।

■ मूल्य और सिद्धांतों को अपनाएं

आत्मानुशासन का आधार आपके व्यक्तिगत मूल्य और सिद्धांतों पर डिपेंड होता है। जब आप अपने सिद्धांतों का पालन करते हैं, तो आपके कार्यों में अनुशासन ख़ुद ही आ जाता है।

■ हमेशा पॉजिटिव बने रहें

इसके लिए नियमित रूप से सकारात्मक आदतों को अपनाएं, जैसे हेल्दी डाइट, एक्सरसाइज और ध्यान करें ये आदतें आत्मानुशासन को बनाए रखने में मदद करती हैं।

आज का राशिफल

मेष : सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन बना रहेगा। सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी।

वृषभ : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। परिवार में प्रसन्नता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट के कार्य मनोनुकूल रहेंगे।

मिथुन : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे। नकारात्मकता हावी रहेगी। शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। क्लेश होगा। वाहन के प्रयोग में सावधानी रखें।

कर्क : कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी। नौकरी व निवेश में इच्छा पूरी होने की संभावना है। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है।

सिंह : आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट आदि से बड़ा फायदा हो सकता है। परिवार की चिंता बनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। झंझटों में न पड़ें। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

तुला : प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं। फालतू बातों पर ध्यान न दें। लाभ में वृद्धि होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। बेवजह किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि तथा सम्मान में वृद्धि होगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

धनु : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा।

मकर : कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। शेयर से बड़ा लाभ हो सकता है।

कुंभ : दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यश बढ़ेगा। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

मीन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार-व्यवसाय की गति बढ़ेगी। चिंता रह सकती है। थकान रहेगी। प्रमाद न करें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

नो एडेड शुगर और शुगर फ्री में क्या है अंतर?

■ अधिकतर लोग नहीं जानते सही मतलब, जानें यहां

आजकल हम जब भी बाजार में कोई पैकेज्ड चीज खरीदते हैं, तो अक्सर उस पर 'No Added Sugar' या 'Sugar Free' लिखा होता है. बहुत से लोग सोचते हैं कि दोनों का मतलब एक ही होता है, यानी उस चीज में शुगर नहीं है. लेकिन असल में इन दोनों शब्दों का मतलब अलग-अलग होता है और अगर आप इनका सही अर्थ नहीं जानते, तो आप सेहत के लिए गलत चुनाव कर सकते हैं. इसलिए इन दोनों के बीच का फर्क जानना बहुत जरूरी है, खासकर उन लोगों के लिए जो डायबिटीज के मरीज हैं या जो वजन कम करने के लिए चीनी से दूर रहना चाहते हैं.

'Sugar Free' का मतलब होता है कि उस चीज में शुगर बहुत कम मात्रा में है या नहीं के बराबर है. आमतौर पर अगर किसी प्रोडक्ट में प्रति सर्विंग 0.5 ग्राम या उससे कम चीनी होती है, तो उसे 'Sugar Free' कहा जाता है. इसका मतलब यह नहीं होता कि उसमें एक भी ग्राम चीनी नहीं है, बल्कि इसका मतलब है कि वह चीनी इतनी कम है कि शरीर पर ज्यादा असर नहीं डालती. ऐसे प्रोडक्ट्स में अक्सर कृत्रिम मिठास (Artificial Sweeteners) डाली जाती हैं जैसे कि एस्पार्टेम, स्टीविया, सुक्रालोज़ आदि. ये मिठास चीनी की तरह मीठी लगती हैं लेकिन उनमें कैलोरी बहुत कम होती है. हालांकि, कुछ रिसर्च में बताया गया है कि इनका ज्यादा सेवन सेहत पर नकारात्मक असर डाल सकता है, इसलिए इनका सीमित मात्रा में ही इस्तेमाल करना चाहिए.

वहीं दूसरी तरफ, 'No Added Sugar' का मतलब होता है कि उस उत्पाद में कोई अतिरिक्त चीनी नहीं डाली गई है. यानी कंपनी ने उसमें अलग से चीनी मिलाई नहीं है. लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि उसमें बिल्कुल भी शुगर नहीं है. कई बार ऐसे प्रोडक्ट्स में प्राकृतिक शुगर होती है, जो पहले से ही उसमें मौजूद होती है. जैसे कि फलों के रस में फ्रुक्टोज नाम की प्राकृतिक शुगर होती है. अगर कोई पैक्ड जूस 'No Added Sugar' वाला है, तो उसमें शुगर डली तो नहीं होती, लेकिन फल की अपनी मिठास यानी प्राकृतिक शुगर जरूर मौजूद रहती है. इसलिए इसे पूरी तरह 'Sugar Free' नहीं कहा जा सकता.

अगर हम इन दोनों के बीच का मुख्य फर्क समझें, तो 'Sugar Free' का मतलब होता है बहुत ही कम शुगर (या बिल्कुल नहीं) और आमतौर पर इसमें कृत्रिम मिठास मिलाई जाती है. जबकि 'No Added Sugar' वाले उत्पादों में शुगर की मात्रा प्राकृतिक रूप से मौजूद हो सकती है, लेकिन उसमें कोई अतिरिक्त चीनी नहीं डाली जाती.

चेक करें लौकी और तोरई में केमिकल है या नहीं

अगर आप लौकी या तोरई खरीदते समय इनकी सतह पर ज्यादा चमक, बहुत गहरा हरा रंग या चिकनाहट महसूस करें तो सतर्क हो जाइए. ये संकेत हो सकते हैं कि सब्जी को केमिकल से धोया गया है या उस पर वैक्स की कोटिंग की गई है ताकि वो ताजा दिखे. आमतौर पर ताजा लौकी और तोरई का रंग हल्का हरा और सतह थोड़ी खुरदरी होती है. अगर सब्जी हाथ में लेते ही चिपचिपी लगे या रंग हाथ पर उतर आए तो यह साफ संकेत है कि उसमें कुछ गड़बड़ है. कई बार सब्जी इतनी चमकती है कि वह प्लास्टिक जैसी लगती है इस तरह की सब्जी से बचना ही बेहतर है.

एक आसान तरीका यह है कि आप घर पर सब्जी लाने के बाद उसे 5-10 मिनट के लिए साधारण पानी में भिगोकर रखें. अगर पानी का रंग बदल जाए या ऊपर तेल जैसा कुछ तैरता दिखे, तो समझ जाइए कि सब्जी पर कैमिकल्स या वैक्स लगाया गया था. इसके अलावा जब आप सब्जी काटते हैं और उसका गूदा सामान्य से अलग रंग या अजीब सी गंध देता है, तो उसे खाना टाल दें. प्राकृतिक सब्जियों की खुशबू हल्की और ताजा होती है, लेकिन अगर उसमें कोई केमिकल मिलाया गया है, तो उसमें से अजीब तरह की कृत्रिम गंध आ सकती है.

हमें अपनी और अपने परिवार की सेहत को सुरक्षित रखने के लिए थोड़ी सतर्कता बरतनी होगी. कोशिश करें कि सब्जियां लोकल या भरोसेमंद सब्जी वालों से ही लें. इसके अलावा सब्जियों को अच्छी तरह से बहते पानी में धोएं और खाना पकाने से पहले थोड़ी देर के लिए हल्के गरम पानी में नमक डालकर भिगोएं, ताकि ऊपर की परत से कैमिकल हट जाए. इन छोटे-छोटे उपायों से आप मिलावटी सब्जियों के नुकसान से खुद को और अपने परिवार को बचा सकते हैं और एक सेहतमंद जीवन जी सकते हैं. याद रखें, थोड़ी सी जागरूकता बड़ी बीमारियों से बचा सकती है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

नैनीताल जा रहे 3 लोगों की सड़क हादसे में मौत

शाहजहांपुर. यूपी के शाहजहांपुर में सोमवार की सुबह साढ़े छह बजे के करीब हुए एक दर्दनाक हादसे में गोरखपुर के एक प्रतिष्ठित होटल कारोबारी के भतीजे, भतीजे के ढाई साल के बेटे और बहन की दर्दनाक मौत हो गई। होंडा सिटी कार में गोरखपुर के बेलीपार थानांतर्गत मलाव गांव के शिवम (उम्र 36 वर्ष) अपनी पत्नी शालिनी पांडेय, ढाई साल के बेटे माधवन, गोरखपुर के ही थाना खोराबार के मालवीय नगर में रहने वाली बहन श्वेता द्विवेदी (उम्र 42 वर्ष), श्वेता के बेटे शिवांश (उम्र 7 वर्ष) के साथ रविवार तड़के 4 बजे नैनीताल के लिए निकले थे। कार को ड्राइवर अंगद चला रहा था। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 6:30 बजे शाहजहांपुर के रोजा थाना क्षेत्र में जमुका के पास रोड के साइड में खड़े एक ट्रक से कार टकरा गई। टक्कर के कारण कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार सभी 5 लोग अंदर फंसे रह गए।

दृष्टिबाधित युवती के साथ नाबालिग लड़के ने किया रेप, बाराबंकी में शर्मनाक घटना

बाराबंकी. यूपी के बाराबंकी से शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां कोतवाली के गांव में शुक्रवार की शाम एक नाबालिग लड़के ने घर में घुसकर दृष्टिबाधित युवती से रेप किया। घर पहुंचने पर पिता ने अपने घर से जाते हुए आरोपी किशोर को देख लिया। घर में पहुंचने पर उसे घटना की जानकारी हुई। पिता की तहरीर पर पुलिस ने दुष्कर्म का केस दर्ज किया है। आरोपी किशोरी को अभिरक्षा में लेकर पुलिस ने उसे किशोर सुधार गृह अयोध्या भेजा है। फतेहपुर कोतवाली के एक गांव निवासी 25 वर्षीय युवती पूर्ण दृष्टिबाधित है। शुक्रवार शाम करीब चार बजे युवती के पिता गांव में मेराज की टंकी पर मेंथा पेराई करने गया था। भाई जानवर चरा रहा था। मौके पाते ही इस दौरान गांव के 14 वर्षीय किशोर ने दरवाजे के अंदर हाथ डाल कर घर की कुंडी खोल ली और भीतर घुस आया। उसने युवती के साथ दुष्कर्म किया लेकिन इसी दौरान युवती का पिता घर आ गया। उसने पुत्री को आवाज दी तो आरोपी लड़का कमरे से निकल कर भाग खड़ा हुआ।

संभल के मस्जिद पर चला बुलडोजर

संभल. यूपी के संभल में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की सख्त कार्यवाही के तहत सोमवार को हयातनगर थाना क्षेत्र में सड़क किनारे स्थित एक मस्जिद पर कमेटी ने स्वयं बुलडोजर चलाया। यह कार्यवाही पहले से दी गई नोटिस के आधार पर की गई। प्रशासन ने मंदिर का आंशिक हिस्सा भी हटाने की पुष्टि की है।

जानकारी के अनुसार, हयातनगर में सड़क किनारे बनी मस्जिद और मंदिर दोनों ही अतिक्रमण की जद में थे। मई माह में एसडीएम वंदना मिश्रा ने मौके का निरीक्षण कर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया था। तय समय सीमा बीतने के बाद सोमवार को प्रशासन ने एक्शन लेते हुए मस्जिद पर जेसीबी चलवा दी। मंदिर का आंशिक हिस्सा भी जल्द हटाया जाएगा। कार्रवाई के दौरान मस्जिद कमेटी ने प्रशासन पर गलत नापजोख का आरोप लगाया और कार्यवाही को एकतरफा बताया।

मेघालय DGP बोलीं- सोनम ने पति राजा की हत्या कराई

- यूपी में मिली सोनम
- 5 संदिग्ध भी हिरासत में
- पिता बोले- बेटी बेगुनाह, पुलिस ने कहानी गढ़ी

इंदौर. इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हत्या के बाद लापता उनकी पत्नी सोनम 17 दिन बाद यूपी के गाजीपुर में एक ढाबे पर मिलीं। इसके बाद मेघालय डीजीपी इदाशीशा नोंग्रांग ने दावा किया कि पत्नी (सोनम) ने ही पेशेवर हत्यारों को सुपारी देकर मर्डर कराया। इधर, सोनम के पिता ने इस बात को मानने से साफ इनकार कर दिया है कि उनकी बेटी ने अपने पति की हत्या कराई होगी। उनका कहना है कि मेरी बेटी बेगुनाह है। वहीं, मामले में 5 संदिग्धों को हिरासत में भी लिया गया है। राज कुशवाहा, विशाल चौहान को इंदौर जबकि आकाश राजपूत को इंदौर के पास और आनंद कुर्मी को बीना के बसाहरी गांव से पकड़ा गया। यूपी में ललितपुर के दिगवार गांव से आकाश लोधी को हिरासत में लिया गया। पुलिस पूछताछ कर रही है।

ढाबा मालिक बोला- मेरे फोन से फैमिली को कॉल किया, रो रही थी सोनम

गाजीपुर के जिस ढाबे पर रविवार देर रात 1 बजे सोनम पहुंची, उसके मालिक साहिल यादव ने बताया, 'सोनम बदहवास हालात में मेरे पास आई। वह रो रही

थी। उसने मुझसे मोबाइल मांगा और कहा मुझे अपनी फैमिली से बात करनी है। फोन पर वह रोने लगी। ढाबे पर मौजूद एक परिवार की महिला ने उसे ढांढस बंधाया। समझाया। इतनी देर में सोनम के भाई का मेरे मोबाइल पर कॉल आया। उन्होंने मुझे पुलिस को फोन करने के लिए कहा।'

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में जिन 4 संदिग्धों को पुलिस ने हिरासत में लिया है, उनमें राज कुशवाह भी शामिल है। राज सोनम के पिता की दुकान पर काम करता था। डेढ़ साल पहले तक वह सोनम के घर के पास ही रहता था। हत्या के आरोप सोनम पर भी लग रहे हैं।

राज से लगातार लोकेशन शेयर रही थी सोनम

जानकारी के मुताबिक जिस दिन कामाख्या देवी के दर्शन के लिए निकले थे, वहीं से चारों पीछा कर रहे थे। सोनम राज को लगातार लोकेशन भेज रही थी। परिवार का दावा है कि दोनों का शिलॉन्ग जाने का कोई प्लान नहीं था। केवल गुवाहाटी से दर्शन करके लौटना था। लेकिन वे सोनम के कहने पर शिलॉन्ग और चेरापूंजी तक चले गए।

हालांकि, सोनम ने खुद को पीड़िता बताते हुए उसका अपहरण होना बताया है।

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि राज, विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी को हिरासत में लिया है। चारों आरोपी इंदौर के नंदबाग इलाके में ही रह रहे थे। इंदौर में हिरासत में लिए गए संदिग्धों से मेघालय पुलिस पूछताछ कर रही है।

हमसे आरोपियों को पकड़ने के लिए मदद मांगी थी, हमने उन्हें पूरा सहयोग किया है। उधर, उत्तर प्रदेश पुलिस ने सोनम को गाजीपुर से रिकवर किया है। मेघालय पुलिस सोनम से पूछताछ करेगी। जो भी बरामदगी होगी उसे एविडेंस के रूप में लिया जाएगा। दंडोतिया ने बताया कि मेघालय पुलिस सोनम से पूछताछ करेगी तब खुलासा होगा कि वह हत्याकांड में शामिल थी या नहीं।

गोवा के स्वास्थ्य मंत्री ने डॉक्टर से माफी मांगी

- निलंबन वापस लिया
- मेडिकल कॉलेज में सबके सामने डांटा,
- कहा था- जुबान पर कंट्रोल करना सीखिए

> मैंने जिस तरीके से रिएक्ट किया, उसका मुझे बहुत दुख है। मेरा इरादा किसी मेडिकल प्रोफेशनल की गरिमा को कम करना या उसका अपमान करना नहीं था।
>
> **विश्वजीत राणे**
> स्वास्थ्य मंत्री, गोवा

पणजी. गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने गोवा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल (GMCH) में एक डॉक्टर से बदसलूकी करने के मामले में सोमवार को माफी मांग ली। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि मैंने हीट ऑफ द मूमेंट में जिस तरह से स्थिति को हैंडल किया, उसका मुझे बहुत दुख है।

दरअसल, स्वास्थ्य मंत्री राणे ने 7 जून को GMCH का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात डॉ. रुद्रेश कुट्टीकर पर मरीजों के साथ गलत व्यवहार करने का आरोप लगाया और सबके सामने फटकार लगाई। उन्होंने डॉक्टर को सस्पेंड करने का आदेश भी दे दिया था। हालांकि, अब सस्पेंशन वापस ले लिया है।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें स्वास्थ्य मंत्री राणे ने डॉक्टर की तरफ उंगली दिखाते हुए कहा, 'आप अपनी जुबान पर काबू रखना सीखिए, आप डॉक्टर हैं। मैं आमतौर पर अपना आपा नहीं खोता, लेकिन आपको मरीजों से ठीक से व्यवहार करना होगा।'

घटना के विरोध में गोवा मेडिकल कॉलेज में सोमवार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ। बड़ी संख्या में डॉक्टर, अलग-अलग विभागों के अध्यक्ष, मेडिकल स्टूडेंट्स और इंटर्न्स स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे के खिलाफ जमा हो गए और उनसे सबके सामने डॉक्टर से माफी मांगने और अस्पतालों में VIP कल्चर खत्म करने की मांग की।

प्रदर्शन में शामिल डॉक्टरों में से एक, प्रतीक सावंत ने कहा, 'GMC के सभी डॉक्टर 7 जून को इमरजेंसी मेडिसिन एंड ट्रॉमा डिपार्टमेंट में हमारे साथी डॉक्टर के साथ हुए व्यवहार की निंदा करते हैं। स्वास्थ्य मंत्री को डॉक्टर के काम के घंटों के दौरान उसके समय का सम्मान करना चाहिए और सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

मणिपुर हिंसा- नेशनल हाईवे बंद, दवाएं तक नहीं मिल रहीं

- चुराचांदपुर और इंफाल में जरूरी चीजों के दाम बढ़े
- 5 जिलों में इंटरनेट बंद

इंफाल. मणिपुर में हिंसा के बाद हाईवे ब्लॉकेज और ट्रांसपोर्ट रूट्स प्रभावित होने से आम लोगों को महंगाई का सामना कर पड़ रहा है। खास तौर पर चुराचांदपुर और राजधानी इंफाल में खाने-पीने की चीजें और दवाइयों की भारी कमी हो गई है।

जरूरी सामानों के दाम बढ़ गए हैं। हिंसा प्रभावित कई इलाकों में दवाइयां तक नहीं मिल रही हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया- अब सारी चीजें मिजोरम के रास्ते आ रही हैं, इसलिए महंगी हो गई हैं। पहले जैसी स्थिति नहीं रही है।

चुराचांदपुर कुकी समुदाय का गढ़ माना जाता है। यह नेशनल 2 और 37 पर निर्भर है, जो असम और नगालैंड को मणिपुर से जोड़ते हैं। अब ये रास्ते बंद हैं, जिससे ट्रकों को लंबा रास्ता मिजोरम से होकर लेना पड़ रहा है। इससे ट्रांसपोर्ट कॉस्ट बढ़ रही है। 3 मई 2023 को कुकी-मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष शुरू हुआ था, जो अब तक जारी है। इस दौरान 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा FIR दर्ज हुई हैं।

'जो हम से बन पड़ा ए वतन हमने किया'

सच सारी दुनिया ने जान लिया; US दौरा खत्म कर बोले शशि थरूर

नई दिल्ली. शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को अमेरिका दौरा समाप्त किया। उन्होंने इस लंबे दौरे को एक कविता के जरिए समाप्त किया है। उन्होंने लिखा है कि अब 'दुनिया ने सच जान लिया है।' भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर का आगाज किया था, जिसके तहत पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लांडाउ समेत कई राजनयिक एवं राजनीतिक नेताओं से मुलाकात कर पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति को रेखांकित किया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की संपर्क पहल के तहत अमेरिका पहुंचा था।

इस मौके पर थरूर ने पोस्ट किया, 'सौ बार जन्म लेंगे तो सौ बार करेंगे, जी भर के अपने वतन से प्यार करेंगे, जो हम से बन पड़ा, 'ए वतन' हमने किया है

जो सच था, सारी दुनिया ने अब जान लिया है।' उन्होंने आगे लिखा, ' समस्त सदस्यों की तरफ से मातृभूमि का और देश विदेश में हिंदुस्तान प्रेमियों का बहुत-बहुत आभार जिन्होंने कान खोल कर सुना और दिल खोल कर स्वीकार किया के हम अहिंसा प्रेमी हैं मगर तब तक, जब तक कोई ... जय हिंद!'

यह प्रतिनिधिमंडल उन सात सर्वदलीय भारतीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक था जिन्हें 33 वैश्विक राजधानियों में भेजा गया था, ताकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान की आतंकवाद में संलिप्तता के बारे में अवगत कराया जा सके।

प्रतिनिधिमंडल तीन जून को अमेरिकी राजधानी वॉशिंगटन पहुंचा और तीन दिनों के दौरान 'कैपिटल हिल' में अमेरिकी सांसदों, विदेश नीति विशेषज्ञों, विचारक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, मीडिया एवं प्रवासी भारतीय समुदाय से मुलाकात की।

थरूर ने व्हाइट हाउस में अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस से हुई लगभग 25 मिनट की मुलाकात को 'उत्कृष्ट' बताया। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, 'वेंस ने पहलगाम हमले को लेकर आक्रोश और 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत की संयमित प्रतिक्रिया के प्रति समर्थन जताया।'

प्रतिनिधिमंडल ने सदन की विदेश मामलों की समिति, इंडिया कॉकस, सीनेट की विदेश मामलों की समिति के नेताओं समेत कई अमेरिकी सांसदों से भी बातचीत की।

सूरत में मॉडल ने फांसी लगाई

सूरत. गुजरात के सूरत की रहने वाली 23 साल की मॉडल अंजलि वर्मोरा ने शुक्रवार देर रात अपने कमरे में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में मानसिक तनाव आत्महत्या की वजह माना जा रहा है। फिलहाल अठवा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना से एक दिन पहले अंजलि ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो भावुक रील पोस्ट की थीं। एक में लिखा था, अगर सब जाए तो कोई समस्या नहीं, लेकिन जब प्रियजन चले जाते हैं तो बहुत तकलीफ होती है। वहीं, दूसरी में लिखा था, 'आज उसने अहसास कराया कि मैं उसके लिए कुछ नहीं हूं।'

पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है और परिवारजनों के बयान दर्ज कर लिए हैं। अंजलि की दो साल पहले सगाई हो चुकी थी। हालांकि आत्महत्या की पुख्ता वजह अब तक सामने नहीं आई है।

इंजीनियर ने प्रेमिका को 17 बार चाकू मारा

- 2 बच्चों की मां की मौत
- दूसरी घटना- पत्नी का कटा सिर लेकर थाने पहुंचा पति

बेंगलुरु. बेंगलुरु से हत्या की दो घटनाएं सामने आई हैं। टेक इंजीनियर यशस (25 साल) ने अपनी प्रेमिका हरिनी (33 साल) की चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना 6-7 जून की रात पूर्णा प्रजना लेआउट के OYO होटल के कमरे में हुई। दोनों एक-दूसरे को एक महीने से जानते थे। DCP साउथ लोकेश बी जगलासर ने बताया कि महिला आरोपी से रिश्ता खत्म करना चाहती थी और दूरी बना रही थी। इसी बात से गुस्साए आरोपी यशस ने उसपर चाकू से 17 बार हमला किया। इससे उसकी मौत हो गई। मृतक हरिनी के 2 बच्चे भी थे। आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस जांच कर रही है।

पति ने पत्नी का सर काटा

वहीं, बेंगलुरु के अनेकल इलाके से हत्या का एक दूसरा मामला सामने आया है। यहां 28 साल के शंकर ने अपनी पत्नी मानसा (26 साल) का सर काटकर हत्या कर दी। इसके बाद थाना जाकर सरेंडर कर दिया। पुलिस के मुताबिक, शंकर को पत्नी के अवैध संबंधों के बारे में पता चल गया था।

पुलिस ने अनेकल की घटना के बारे में बताया कि शंकर और मानसा कुछ समय पहले से हीललिगे गांव में किराए के मकान में रह रहे थे। 3 जून की रात को शंकर काम पर चला गया और मानसा को बताया कि वह अगली सुबह वापस आएगा।

हालांकि, वह रात को ही अचानक वापस लौट आया। उसने देखा कि पत्नी घर में

किसी और शख्स के साथ है। इसको लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ। कुछ समय बाद पत्नी घर छोड़कर चली गई।

इसके बाद से ही दोनों के बीच में झगड़े बढ़ते गए। गुस्से में आकर शुक्रवार को शंकर ने पत्नी का सिर काट दिया। इसके बाद कटे हुए सिर को लेकर खुद सूर्यनगर पुलिस थाना पहुंचा और सरेंडर कर दिया।

स्पेन के अल्काराज फ्रेंच ओपन चैंपियन बने

- फाइनल में सिनर को पांच सेट में शिकस्त दी
- अल्काराज का 5वां ग्रैंड स्लैम

स्पेन के 22 साल के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन चैंपियन बन गए हैं। रविवार को 5 घंटे से लंबे चले संघर्षपूर्ण खिताबी मुकाबले में अल्काराज ने इटली के जैनिक सिनर को पांच सेट में शिकस्त दी। अल्काराज ने मुकाबला 4-6, 6-7, 6-4, 7-6, 7-6 से जीता। उन्होंने यहां लगातार दूसरा खिताब जीता। इसी के साथ अल्काराज ने ग्रैंड स्लैम में अपना रिकॉर्ड 5-0 कर लिया है। यानी यह उनका पांचवां ग्रैंड स्लैम फाइनल था और वे पांचवीं बार विजेता बने।

विजेता को 25 करोड़ रुपए की प्राइज मनी मिली, जबकि रनरअप को 13 करोड़ रुपए मिले। वहीं, ओपन एरा में छठी बार ऐसा हुआ जब फाइनल में शुरुआती दो सेट हारने के बाद कोई चैंपियन बना।

फ्रेंच ओपन के सिंगल्स कैटेगरी के दोनों टाइटल इस बार नंबर-2 खिलाड़ियों के खाते में गए। इससे पहले, शनिवार को वर्ल्ड नंबर-2 कोको गॉफ नंबर-1 आर्यना सबालेंका को हराकर चैंपियन बनी थीं। अब रविवार को नंबर-2 अल्काराज ने नंबर-1 सिनर को हराकर ऐसा किया।

फैसला पांचवें सेट के टाई ब्रेक से हुआ

ओपन एरा में केवल तीसरी बार मेंस सिंगल्स ग्रैंड स्लैम फाइनल का फैसला पांचवें सेट के टाई ब्रेक से हुआ। इससे पहले, साल 2020 के यूएस ओपन में डोमिनिक थिएम और एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच फाइनल का नतीजा टाई ब्रेक से आया था, जिसमें थिएम विजेता बने थे। उससे पहले, विंबलडन 2019 में जोकोविच ने पांचवें सेट के टाईब्रेकर में फेडरर को हराकर खिताब जीता था।

यह ग्रैंड स्लैम में पहली बार हुआ, जब साल 2000 के बाद जन्मे खिलाड़ी फाइनल में आमने-सामने हुए।

केरल में सिंगापुर के कार्गो शिप में आग लगी

22 क्रू मेंबर्स में से 5 घायल, 4 लापता; इंडियन कोस्ट गार्ड के 6 शिप रेस्क्यू में जुटे

कोच्चि. केरल के कोच्चि में सिंगापुर के कार्गो शिप MV WAN HAI 503 में सोमवार सुबह आग लग गई। कार्गो श्रीलंका के कोलंबो पोर्ट से 7 जून को रवाना हुआ था। इसे 10 जून को नवी मुंबई के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (न्हावा शेवा पोर्ट) पहुंचना था।

इंडियन कोस्ट गार्ड के मुताबिक घटना के दौरान कार्गो पर

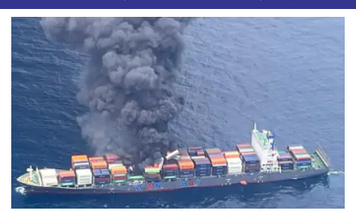

18 क्रू मेंबर्स सवार थे। इनमें से 4 मेंबर्स लापता बताए जा रहे हैं, 5 घायल हैं। न्यू मंगलौर के पास इंडियन कोस्ट गार्ड के शिप- राजदूत, अर्नवेश, सचेत, समुद्र प्रहरी, राजदूत और सी-144 रेस्क्यू में जुटे हैं।

इंडियन नेवी का INS सूरत भी ऑपरेशन में शामिल है। कोच्चि के नेवी एयर स्टेशन INS गरुड़ से नेवी डोर्नियर प्लेन की मदद की लेने की तैयारी की जा रही है।

डिफेंस के अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार सुबह 10.30 मुंबई मैरीटाइम ऑपरेशन सेंटर ने कोच्चि के मैरीटाइम अधिकारियों के कार्गो में आग लगने की जानकारी दी थी। पहले धमाके की बात कही गई थी, लेकिन ऐसा नहीं है। कार्गो के अंडर डेक में आग लगी है। वह अभी भी समुद्र में बह रहा है।

ओडिशा में IAS अधिकारी 10 लाख की रिश्वत लेते पकड़े गए

ओडिशा सतर्कता विभाग ने शनिवार को कालाहांडी जिले के धर्मगढ़ में तैनात भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) अधिकारी को एक व्यापारी से कथित तौर पर 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

विज्ञप्ति में कहा गया कि उनके सरकारी आवास पर छापेमारी चल रही है, जहां से 47 लाख रुपये नकद बरामद किए जा चुके हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया, ''कालाहांडी जिले में धर्मगढ़ के उप-जिलाधिकारी के रूप में पदस्थ आईएएस अधिकारी को एक स्थानीय व्यापारी से 10 लाख रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। यह राशि 20 लाख रुपये की कुल मांग की एक किस्त के रूप में ली जा रही थी।''

शिवसेना नेता की हत्या के 5 महीने बाद आरोपी भाई सिलवासा से गिरफ्तार

- खदान में मिला था शव

पालघर. पालघर के शिवसेना नेता अशोक धोडी के अपहरण और हत्या के बाद करीब पांच महीने से फरार आरोपी उनके भाई अविनाश धोडी को रविवार को तड़के सिलवासा से गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पालघर के पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख ने बताया कि 60 वर्षीय आरोपी को एक गुप्त सूचना के आधार पर मोरखल से गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि आरोपी को मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। अधिकारी ने बताया कि अविनाश की गिरफ्तारी के साथ, जनवरी में हुए अपराध के सिलसिले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर छह हो गई, जबकि तीन

अन्य अब भी फरार हैं।

अशोक धोडी (52) का शव उनके लापता होने के चार दिन बाद 23 जनवरी को पड़ोसी राज्य गुजरात में उनकी कार के साथ पानी से भरी खदान में मिला था। देशमुख ने कहा कि अविनाश धोडी अपने भाई अशोक धोडी से नाराज़ था क्योंकि अशोक ने वेवजी ग्राम पंचायत में एक आवेदन देकर उसके घर का पट्टा रद्द करवा दिया था। इसके बाद अविनाश को घर खाली करना पड़ा था। उन्होंने कहा, '19 जनवरी को जब अशोक धोडी दहानू से अपने घर जा रहे थे, तो आरोपी और उसके साथियों ने वेवजी घाट पर उसकी कार रोकी और उसका अपहरण कर लिया।' अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने बाद में अशोक धोडी की हत्या कर दी और उनके शव और कार को गुजरात के सरीगाम वाडिया पाड़ा में पानी से भरी खदान में धकेल दिया।

अधिकारी ने बताया कि घोलवड़ पुलिस थाने में 27 जनवरी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 140 (3), 140 (1) (हत्या या फिरौती के लिए अपहरण), 351 (2) (आपराधिक धमकी), 103 (1) (हत्या) और 238 (ए) (अपहरण) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि एक विशेष टीम गठित की गई और घोलवड़, उमरगांव, वापी (गुजरात), दीव दमन, सिलवासा, इंदौर और राजस्थान में तलाशी ली गई।

आतंकी तहव्वुर राणा को परिवार से बात करने की परमीशन

मुंबई. मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा की याचिका पर आज दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई हुई। राणा को अपने परिवार से बात करने की परमिशन मिल गई है। मामले की सुनवाई स्पेशल NIA जज चंद्र जीत सिंह ने की।

राणा फिलहाल अपने परिवार को केवल एक बार फोन कर सकेगा। यह कॉल जेल के नियमों के अनुसार और तिहाड़ जेल के अधिकारी की निगरानी में की जाएगी। कोर्ट ने जेल अधिकारियों से रिपोर्ट भी मांगी है, जिसमें पूछा गया है कि क्या राणा को भविष्य में नियमित फोन कॉल की अनुमति दी जानी चाहिए।

इससे पहले 24 अप्रैल को कोर्ट ने राणा की याचिका खारिज कर दी थी। राणा के वकील पीयूष सचदेवा ने कहा था कि एक विदेशी नागरिक के तौर पर उसे परिवार से बात करने का अधिकार है और उसके इलाज को लेकर परिवार चिंतित है।

आम सूचना

मैं श्रीमती अनिता नरेश लोकवानी सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, विविंग फैक्ट्री के पीछे, बैरक नं. 1041 के सामने, उल्हासनगर-3. (टैक्स नं. 36बीओ06577300) उक्त प्रॉपर्टी श्री इरफान मुस्ताकिन अंसारी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 20.1.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती अनिता नरेश लोकवानी

आम सूचना

मैं श्री राकेश अमरनाथ पाठक सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, बैरक नं. 109 के पास, पाईप लाईन, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 06एओ014566500) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती सुनंदा संजय गायकवाड़ के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 6.6.2025 सी.नं. 2052/2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री राकेश अमरनाथ पाठक

संक्षेप...

बेस्ट बस ने गोवंडी के एक व्यक्ति को कुचला

मुंबई. गोवंडी निवासी 32 वर्षीय बरकत चंद शेख की 90 फीट रोड के पास, चलती बेस्ट बस के नीचे गिरने से दर्दनाक मौत हो गई है. पीड़ित के परिवार ने बस चालक पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया है, और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है. पुलिस के अनुसार,घटना रात करीब 9:15 बजे गोवंडी के शिवाजी नगर इलाके में संत निरंकारी भवन के पास हुई.

275 करोड़ SBI ATM प्रोजेक्ट में बड़ा घोटाला

■ **चीनी हार्डवेयर, गोपनीय सौदे और आईपी चोरी का खुलासा**

▶▶ नागमणि पांडेय

नवी मुंबई. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के 275 करोड़ के एटीएम कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट में एक जबरदस्त घोटाले का खुलासा हुआ है, जिससे भारत के सार्वजनिक क्षेत्र की खरीद प्रणाली की नींव हिल गई है। इस घोटाले का खुलासा नवी मुंबई के एक आईटी कंपनी के तरफ से कोर्ट में किए गए शिकायत के बाद हुआ है। जिसमे कोर्ट ने आठ करोड़ रुपए कोर्ट में भरने के साथ ही काम रोकने का आदेश दिया है.

एक टेक स्टार्टअप कंपनी के तरफ से कोर्ट में किए गए शिकायत बताया है कि जिसने 3,400 से अधिक एसबीआई एटीएम में

भारतीय निर्माणित सेक्युरल वनटीम (SecuraWAN) राउटर सफलतापूर्वक स्थापित किए थे। जिसे 'मेक इन इंडिया' की एक बड़ी सफलता मानी जा रही थी — लेकिन अब यह एक राष्ट्रीय सुरक्षा संकट में बदल गई है। कंपनी के तरफ से कोर्ट को बताया गया है कि बिना किसी पूर्व सूचना के उनके पेमेंट रोके गए, संपर्क बंद कर दिए गए और फिर 5 दिसंबर 2024 की एक गुप्त वर्क ऑर्डर सामने आई, जिसमें यही प्रोजेक्ट एक चाइनीज हितों द्वारा समर्थित प्रतिद्वंद्वी कंपनी को सौंप दिया गया। इसके बाद, मूल स्वदेशी तकनीक को हटाकर, भारतीय बैंकिंग ढांचे में चीनी निर्मित PCB, GSM मॉड्यूल और ट्रांसफॉर्मर युक्त राउटर लगाए जाने लगे।

इतना ही नहीं, AdvantageSB ने अपने पूर्व COO पर कॉर्पोरेट जासूसी का आरोप लगाया है, जिसने कथित तौर पर गुप्त नेटवर्क योजनाएं प्रतियोगी कंपनियों को लीक कीं जिससे यह 'साइलेंट कूप' संभव हो सका। इस पूरे मामले में SRIT India Pvt. Ltd. का नाम सामने आया है — एक ऐसी कंपनी जिसपर पहले ही केरल के 232 करोड़ के AI ट्रैफिक प्रोजेक्ट में ठेका सांठगांठ, अधिक बिलिंग और अनैतिक सब-कॉन्ट्रेक्टिंग के आरोप लग चुके हैं।

अब बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मामले का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए धोखाधड़ी, बौद्धिक संपदा की चोरी, साजिश और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ जैसे गंभीर आरोपों की जांच शुरू कर दी है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला अब आपराधिक मुकदमेबाजी में बदल सकता है। साइबर विशेषज्ञ की माने तो यह सिर्फ एक टेक्नोलॉजी विवाद नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल संप्रभुता पर हमला है।अब जैसे-जैसे कोर्ट में यह लड़ाई तेज होती जा रही है, एक सवाल सबसे बड़ा बनकर उभर रहा है क्या भारत अपने इनोवेटर्स की रक्षा कर रहा है, या अंधेरे में उनकी पीठ में छुरा घोंपा जा रहा है?

ठाणे में पौष्टिक आहार पर जागरूकता कार्यक्रम

ठाणे. यदि व्यायाम शरीर के लिए ज्ञान है, तो स्वस्थ आहार अच्छी संस्कृति है।ठाणे जिला सिविल अस्पताल में 'आहार का स्वास्थ्य' नामक एक अभिनव पहल का आयोजन किया गया। यह जागरूकता कार्यक्रम एलएचवी प्रशिक्षु छात्रों की ₹पोषण प्रयोगशाला₹ के माध्यम से रोगियों और उनके रिश्तेदारों के लिए आयोजित किया गया था।जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में अलीवा खीर, नाचनी चकली,

बाजरी अप्पे, पौष्टिक ढोकला, मेथी बिना सहर लड्डू जैसे पारंपरिक और पौष्टिक खाद्य पदार्थ प्रस्तुत किए गए। आहार में विभिन्न सामग्रियों को कैसे शामिल किया जाए, इस बारे में विस्तार से बताया गया। खाद्य पदार्थों के बारे में जानकारी देते हुए, स्वास्थ्य पर उनके प्रभावों के बारे में भी बताया गया।इस अवसर पर अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज महांगड़े और निवासी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मृणाली राहुड़, शुश्रुषा महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती श्रद्धा मेस्त्री और उनकी टीम ने कार्यक्रम की बेहतरीन योजना बनाई। इस अवसर पर डॉ. संगीता माकोड़े, डॉ. निशिकांत रोकड़े, डॉ. कल्पना माले और अधिसेविका मंजुला घाणे ने व्यंजनों का स्वाद चखकर उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर खाना पकाने की कला और उसके पीछे की प्रक्रिया, पोषण मूल्य और स्वास्थ्य के दृष्टिकोण के बारे में बताया गया।ऐसी गतिविधियों से स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है, लोगों में जागरूकता आती है और मरीजों के साथ अधिक सकारात्मक बातचीत हुआ।

दवाओं पर लगातार निर्भर रहने के बिना आहार के माध्यम से भी स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है।केवल इसके लिए आहार के बारे में उचित जानकारी, सही विकल्प और थोड़े से ईमानदार प्रयास की आवश्यकता है।

- डॉ. कैलाश पवार
(जिला शल्य चिकित्सक ठाणे)

13 जून से फिर दौड़ेगी 'मानसून एक्सप्रेस'

■ **किसानों को मानसून की सक्रिय बारिश का इंतजार**

मुंबई. 26 मई को मुंबई और फिर विदर्भ के गढ़चिरौली के रास्ते प्रवेश करने वाले मानसून ने बड़ा ब्रेक लिया। 13 जून से महाराष्ट्र में मानसून फिर सक्रिय हो जाएगा और मध्यम बारिश की संभावना है।

पिछले आठ-दस दिनों से सुस्त पड़ा मानसून खानदेश, नासिक और विदर्भ के उत्तरी जिलों में नहीं पहुंच पाया है। आधे महाराष्ट्र में

मानसून छा चुका है और किसान बुवाई के लिए सक्रिय मानसून का इंतजार कर रहे हैं। फिलहाल मानसून खानदेश और विदर्भ में रुका हुआ है। इसके आगे की यात्रा के लिए अनुकूल वातावरण नहीं है। मौसम विज्ञानियों ने अगले चार दिनों तक भी राज्य में हल्की बारिश की संभावना जताई है।

124 साल में सबसे अधिक बारिश वाला महीना

मौसम विभाग ने कहा था कि देश में मई के उत्तरार्ध में और मुंबई में मानसून के आगमन के दौरान अधिक बारिश दर्ज की गई। 124 साल में पहली बार मई में 126.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। 9 जून को मुंबई समेत कोंकण के 7 जिलों में मध्यम बारिश की संभावना है। फिर 10 से 12 जून के बीच बारिश की तीव्रता कुछ कम होगी। 12 जून तक महाराष्ट्र के बाकी 29 जिलों में हल्की बारिश की संभावना है।

शिवराज्याभिषेक दिवस के अवसर पर CM ने छत्रपति शिवाजी महाराज को किया नमन

मुंबई. शिवराज्याभिषेक दिवस के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई के पहले छत्रपति शिवाजी महाराज मंदिर में महाआरती कर महाराज को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

यह ऐतिहासिक मंदिर कुर्ला पश्चिम स्थित संत गाडगे महाराज स्कूल परिसर में पूर्व सांसद पूनम ताई महाजन के पहल पर स्थापित किया गया है। इस विशेष आयोजन का माहौल पूरी तरह भक्तिभाव और उत्साह से परिपूर्ण था।

इस मौके पर पूर्व सांसद पूनम महाजन, आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, मुंबई भाजपा प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह, प्रकाश चौधरी सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

यह समारोह न सिर्फ छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों और आदर्शों को सम्मान देने वाला था, बल्कि युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने वाला भी सिद्ध हुआ।

बकरीद पर 8067 जानवरों की दी गई कुर्बानी

■ **भिवंडी मनपा ने 17 लाख 89 हजार 650 रुपये शुल्क वसूला**

भिवंडी. भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका क्षेत्र में 07 जून से 09 जून तक बकरीद का त्यौहार मनाया गया और इसके लिए महानगरपालिका प्रशासन पूरी तरह से तैयार था।

इस वर्ष 56 स्थानों पर कुर्बानी करने की अनुमति के लिए आवेदन प्राप्त हुए और इन केंद्रों पर 7-9 जून के दौरान कुल 8067 जानवरों की कुर्बानी की गई, जबकि महानगरपालिका ने शुल्क के रूप में 17 लाख 89 हजार 650 रुपये वसूल किए हैं। बकरीद के लिए इन 56 केंद्रों के लिए कुर्बानी के बाद क्षेत्र की सफाई के लिए 200 टेम्पो, 14 जेसीबी, 11 जीप, 3 फराना और 40 पानी के टैंकर अधिग्रहित किए गए थे। साथ ही, कुर्बानी से पहले जानवरों का निरीक्षण करने के लिए पशु चिकित्सा विभाग द्वारा 60 पशु चिकित्सा अधिकारियों को

नियुक्त किया गया था।

इस वर्ष, प्रत्येक वार्ड समिति को वाहनों का बाकायदा वितरण किया गया और एक दिन पहले वार्ड समिति को भेज दिया गया। जिसके कारण स्वास्थ्य विभाग कुर्बानी के बाद कचरे को एकत्रित करने, उसे पानी से साफ करने तथा दवा का छिड़काव करने का कार्य समय से पहले पूरा कर सका।

स्थानीय नागरिकों, पूर्व पार्षदों तथा समाजसेवियों ने भी महानगर पालिका की इस पहल पर संतोष व्यक्त करते हुए आभार व्यक्त किया है। मनपा के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर ने भी सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्य की सराहना की। साथ ही बाजार, स्वास्थ्य, जलदाय, वाहन, पशु चिकित्साधिकारी तथा पुलिस विभागों के समन्वय एवं नियोजन के साथ-साथ शहर के सभी कर्मचारी संगठनों एवं नागरिकों के सहयोग के कारण बकरीद का त्यौहार खुशी एवं शांतिपूर्वक मनाया गया तथा उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया। उक्त जानकारी सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी.

4 अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति

मुंबई. महाराष्ट्र राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण ने हाल ही में सतारा के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक समेत चार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति की है।

प्राधिकरण को खुफिया विभाग के एक अधिकारी के खिलाफ जूनियर खुफिया अधिकारी पर हमले के गंभीर मामले में मामला दर्ज करने में आनाकानी की शिकायत मिली थी। पुलिस शिकायत प्राधिकरण ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। इस संबंध में प्राधिकरण के अध्यक्ष और सेवानिवृत्त न्यायाधीश श्रीहरि दावरे, उमाकांत मितकर और विजय सतबीर सिंह ने 5 जून को आदेश जारी किया। इस संबंध में आदेश जूनियर खुफिया अधिकारी साईकुमार सूर्यकांत मेहता की शिकायत पर जारी किया गया। मेहता ने पुलिस शिकायत प्राधिकरण में तत्कालीन सातारा के पुलिस अधीक्षक समीर शेख, पुलिस निरीक्षक राजेंद्र म्हस्के, पुलिस उपनिरीक्षक अविनाश गवली, सहायक पुलिस निरीक्षक अमित शितोले (सभी उस समय सातारा सिटी पुलिस स्टेशन में कार्यरत थे)

के खिलाफ उनकी शिकायत का संज्ञान न लेने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता मेहता गृह मंत्रालय के खुफिया विभाग की स्थानीय शाखा में सातारा में जूनियर इ ट ेलिज ेंस ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं।

शिकायत के अनुसार 11 मई 2024 को उनके वरिष्ठ अधिकारी हितेश इनामके ने कार्यालय में अन्य कर्मचारियों के सामने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए उनके साथ मारपीट की। इस हमले में उनकी कमर टूट गई और उनकी जान को खतरा हो गया। उन्होंने इस बारे में पुणे और मुंबई में अपने वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की थी। लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर उन्होंने सातारा सिटी पुलिस स्टेशन में शिकायत की। लेकिन मेडिकल रिपोर्ट जमा करने के बाद भी पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। इसके विपरीत, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मेहता के खिलाफ गैर-जमानती अपराध दर्ज करके उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया गया। उन्होंने 21 जून, 2024 को आईपीसी की धारा 323, 504, 506 के तहत गैर-संज्ञेय अपराध दर्ज किया। उस समय, गवाहों के बयान दर्ज किए गए और सीसीटीवी फुटेज जब्त किए गए। साथ ही, 25 अगस्त, 2024 को पुलिस ने स्पष्ट किया कि उन्होंने आरोपी इनामके को सीआरपीसी की धारा 41 (ए) के तहत एक नोटिस भी दिया था। साथ ही, मेहता ने घटना के ठीक 14 दिन बाद 24 मई, 2024 को शिकायत दर्ज की थी। प्राधिकरण ने राज्य सरकार को इसे प्रारंभिक जांच के रूप में मानने और अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया है। इस मामले में शिकायत किए गए पांचवें पुलिस अधिकारी के खिलाफ आरोप साबित नहीं हुए हैं। इसलिए, उन्हें मामले से मुक्त कर दिया गया है।

भिवंडी में निजी प्री-प्राइमरी स्कूलों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य

भिवंडी. महाराष्ट्र सरकार के 24 अप्रैल 2025 के परिपत्र के अनुसार, 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पूर्व-प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने वाले सभी निजी केंद्रों, चाहे वे 'प्री-स्कूल', 'नर्सरी', 'जूनियर के.जी.', 'सीनियर के.जी.' या किसी अन्य नाम से चल रहे हों, के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है. सरकार ने इन केंद्रों के पंजीकरण के लिए एक विशेष 'प्री-स्कूल पोर्टल' शुरू किया है.यह सुविधा Education Maharashtra.gov.in वेबसाइट पर 'वेब लिंक्स प्री-स्कूल पोर्टल (ECCE)' टैब के तहत उपलब्ध है.

दस्तावेज भी अपलोड करने होंगे

* शिक्षकों की शैक्षिक और व्यावसायिक योग्यता के अंकपत्र/प्रमाणपत्र.
* इमारत पूर्णता प्रमाण पत्र
* स्वास्थ्य स्वच्छता प्रमाण पत्र.

इस पोर्टल पर, निजी पूर्व-प्राथमिक शिक्षा केंद्रों को अपने बारे में विस्तृत जानकारी दर्ज करनी होगी. इसमें केंद्र की सामान्य जानकारी, प्रबंधन विवरण, छात्रों की संख्या, उपलब्ध भौतिक सुविधाएं और कार्यरत शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारियों का विवरण शामिल है.

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के प्रशासन अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी निजी पूर्व-प्राथमिक शिक्षण केंद्रों को इस पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करना होगा.पंजीकरण में आने वाली किसी भी कठिनाई के समाधान के लिए, प्रभागीय समिति-वार समितियां से स्थापित की गई संपर्क किया जा सकता है.भिवंडी मनपा के उप आयुक्त (शिक्षा) बालकृष्ण क्षिरसागर ने सभी संबंधित केंद्रों से इस ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने का आग्रह किया है.

'छत्रपति शिवाजी महाराज गौरव सर्किट एक प्रेरणादायक यात्रा'

छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट के अंतर्गत भारत गौरव रेलवे का सीएम के हाथों उद्घाटन

मुंबई. भारतीय रेलवे की गौरव यात्रा के अंतर्गत आज से शुरू हो रही छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट यात्रा सभी यात्रियों के लिए एक प्रेरणादायक अनुभव होगी, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा। वे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस में छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट के अंतर्गत भारत गौरव रेलवे के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि इस रेलवे के माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज और स्वतंत्रता के इतिहास को जीवित रखने का काम किया

जाएगा। आज इस रेलवे पर सात सौ से अधिक यात्री यात्रा कर रहे हैं। इनमें से 80 प्रतिशत यात्री चालीस वर्ष से कम आयु के हैं। जो आज छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास को देखने जा रहे हैं। राज्य के सभी हिस्सों से आने वाले सभी यात्रियों को इस सर्किट रेलवे के माध्यम से इतिहास का अनुभव करने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगलों और विदेशी आक्रमणकारियों को हराकर स्वराज्य की स्थापना की थी। बाद में इस स्वराज्य का विस्तार अरदा तक हुआ। इस गौरव यात्रा का आज का पड़ाव रायगढ़ में होगा। साथ ही इस यात्रा के दौरान शिवनेरी, लाल महल, पुणे की शिवश्रुति जैसे महत्वपूर्ण स्थानों का दौरा किया जाएगा। कोल्हापुर के अंबाबाई के भी दर्शन किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ-साथ मैं राज्य के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार और उनके विभाग, पर्यटन विभाग को बधाई देता हूं।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा सांस्कृतिक विभाग के सचिव विकास खड़गे, पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव अतुल पाटने, महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सूर्यवंशी, भारतीय रेलवे के महाप्रबंधक धर्मवीर मीना, आईआरसीटीसी के राहुल हिमालियां, महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के महाप्रबंधक चंद्रशेखर जायसवाल, वरिष्ठ प्रबंधक संजय ढेकाने सहित रेलवे के अधिकारी

बैग से मिले बैंकॉक से लाऽ अवैध वन्यजीव

मुंबई. मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम अधिकारियों ने बैंकॉक से आए एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है. यात्री के बैग की तलाशी के दौरान वन्यजीव प्रजातियों से संबंधित सामग्री पाई गई है. अधिकारियों ने संदिग्ध सामग्री को जब्त कर लिया और यह पता लगाने के लिए जांच शुरू की है कि ये वन्य जीव प्रजातियां क्यों लाई गई. प्रारंभिक जांच में पता चला कि यात्री के पास पाए गए वन्यजीव उत्पाद संरक्षित प्रजातियों से संबंधित हो सकते हैं, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत अवैध है. कस्टम विभाग ने संबंधित वन्यजीव संरक्षण अधिकारियों के साथ मिलकर मामले की गहन जांच शुरू कर दी है.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099